जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

अजमेर

Rashtradoot

फोनः- 2627612, 2427249 फैक्सः- 0145-2624665 वर्षः 29 संख्याः 256 प्रभात अजमेर, गुरुवार 17 अप्रैल, 2025 आर.जे./ए.जे./73/2015-2017 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अभिषेक मनु सिंघवी और जयराम रमेश ने सारे घोड़े खोल दिये गांधी परिवार के बचाव में

इन दोनों की दलील थी, कोई जुर्म नहीं हुआ, कोई पैसे का लेन-देन नहीं हुआ, किसी को कुछ भी भुगतान नहीं हुआ

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। नैशनल हैरल्ड केस में कांग्रेस नेताओं, राहुल, सोनिया गांधी तथा अन्य के खिलाफ दाखिल चार्ज शीट को लेकर कांग्रेस और सत्तारूढ़ भाजपा टकराव की मुद्रा में आ गये हैं। कांग्रेस ने दिल्ली सहित, पूरे देश में विरोध-प्रदर्शन किये। दिल्ली में पार्टी नेताओं तथा कार्यकर्ताओं ने एआईसीसी मुख्यालय के बाहर प्रदर्शन किया, लेकिन ई.डी. कार्यालय की ओर नहीं बढ़ पाये, क्योंकि उन्हें रोकने के लिये, वहाँ भारी पुलिस बल तैनात था।

कांग्रेस नेता अभिषेक मनु सिंघवी तथा जयराम रमेश ने गांधी परिवार के बचाव में पूरा जोर लगा दिया। उन्होंने कहा कि कोई अपराध नहीं हुआ, पैसे का कोई लेन-देन नहीं हुआ, किसी को कोई पैसा नहीं दिया गया तथा ए.जे.एल. एवं यंग इंडियन या अन्य किसी के भी बीच कोई वित्तीय लेन-देन नहीं हुआ।

- कांग्रेस ने दिल्ली में व देश के कई स्थानों पर प्रदर्शन आयोजित किये, नैशनल हैरल्ड के मामले में ई.डी. द्वारा राहुल गांधी व सोनिया गांधी के खिलाफ राउज़ एवेन्यु कोर्ट में चार्ज शीट दायर करने पर।
- भाजपा का नेतृत्व अब यह आंक रहा है कि राहुल गांधी व सोनिया गांधी के खिलाफ कार्यवाही करने पर, जनता में क्या प्रतिक्रिया होगी।
- सवाल यह उठ रहा है कि ऐसी क्या आवश्यकता थी यंग इंडिया का गठन करने की तथा पचास लाख रूपए देकर कंपनी की पुरानी सभी देनदारियाँ खरीदने की? और क्या, यह सब जोखिम उठाने के बाद, गांधी परिवार, नैशनल हैरल्ड की हजारों करोड़ रूपए की सम्पत्ति को कंट्रोल करने में सफल होगा?

हालांकि, कांग्रेस बार-बार यह कह रही है कि कोई गलत काम नहीं हुआ, फिर भी, राउज़ एवेन्यु कोर्ट में चार्ज शीट पेश कर दी गई है तथा 25 अप्रैल को केस की सुनवाई होनी है।

गांधी परिवार को जमानत के लिये कोर्ट में अर्जी लगानी होगी तथा आरोप तय किये जायेंगे और ई.डी. ने कहा है कि वह अतिरिक्त चार्ज शीट और पेश करने वाली है।

राजनैतिक हल्कों में दोष-सिद्धि (कनविक्शन) तथा गिरफ्तारी की चर्चाएं चल रही हैं। भाजपा नेतृत्व भी इस बात का आकलन कर रहा है कि राहुल और सोनिया गांधी के मुद्दे पर जनता की प्रतिक्रिया क्या होगी। प्रश्न यह भी पूछा जा रहा है कि आखिर यंग इंडियन बनाने की जरूरत क्या थी, और क्या कांग्रेस नेतृत्व ने 50 लाख रूपए दिये, 90 करोड़ रूपए का कर्ज खरीदा तथा ऐसा करके क्या कांग्रेस नेतृत्व अब इस स्थिति में है कि वह हजारों करोड़ की नैशनल हैरल्ड सम्पत्तियों को नियंत्रित कर सके।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि अगर ई.डी. गांधी परिवार को दोषी सिद्ध करना चाहती है, तो उसे इसके साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे।

नाबालिग से दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त को बीस साल की सजा

जयपुर, 16 अप्रैल। जिले की पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने 17.6 साल की नाबालिग के साथ समय-समय पर दुष्कर्म करने वाले अभियुक्त रामस्वरूप को बीस साल की सजा सुनाई है। इसके साथ ही, अदालत ने अभियुक्त पर 2.50 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है। पीठासीन अधिकारी कैलाश चन्द्र अटवासिया ने अपने आदेश में कहा कि यौन अपराध बच्चे के मन पर गहरा प्रभाव डालता है। ऐसे में अभियुक्त के प्रति नरमी का रुख अपनाने के बजाए उसे उचित दंड देना

- पॉक्सो मामलों की विशेष अदालत ने अभियुक्त पर 2.50 लाख रूपये का जुर्माना भी लगाया।

जरूरी है।

अभियोजन पक्ष की ओर से विशेष लोक अभियोजक विजया पारीक ने अदालत को बताया कि पीड़िता ने 14 जनवरी, 2022 को कालाडेरा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में कहा गया कि 6 दिसंबर, 2021 को स्कूल जाते समय अभियुक्त उसे रास्ते से अपने साथ जबरन हिंगोनिया ले गया और दुष्कर्म कर वापस छोड़ दिया। इसके बाद 11 जनवरी, 2022 को वह स्कूल से लौट रही थी तो अभियुक्त उसे रास्ते में मिला और साथ जाने के लिए मजबूर करने लगा। इस दौरान शोर सुनकर आसपास के लोग और उसके परिजन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'अन्नाद्रमुक चुनाव जीतने के बाद स्वयमेव सरकार बनायेगी, यह गठबंधन की सरकार नहीं होगी'

अन्नाद्रमुक नेता, पलानीस्वामी की इस घोषणा से भाजपा काफी स्तब्ध!

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। तमिलनाडु में भाजपा के साथ हुये गठबंधन की निर्विघ्न उड़ान से पहले ही, अन्नाद्रमुक प्रमुख इडापड्डी पलानीस्वामी ने बुधवार को स्पष्ट रूप से एकपक्षीय घोषणा कर दी कि अगर 2026 के विधानसभा चुनावों में गठबंधन की जीत हुई, तो तमिलनाडु में गठबंधन सरकार नहीं बनेगी।

अन्नाद्रमुक महासचिव इडापड्डी पलानीस्वामी ने कहा कि तमिलनाडु में गठबंधन सरकार नहीं बनेगी, गठबंधन तो केवल चुनावों के लिये है। उनका यह रूख भाजपा के स्थानीय नेताओं के रूख से भिन्न दिखाई दे रहा है।

जहाँ एक तरफ स्थानीय भाजपा नेता, जिनमें नवनिर्वाचित तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष नगेन्द्र नयनार भी शामिल हैं, 2026 के चुनावों में विजय के बाद, तमिलनाडु में एनडीए सरकार की बात कह रहे हैं, वहीं, भाजपा नेताओं के इन बयानों को अन्नाद्रमुक नेता ने नकार दिया है, जो भाजपा के साथ गठबंधन को लेकर पार्टी के अंदर तनाव और विरोध का सामना कर रहे हैं।

- अभी तक भाजपा के स्थानीय नेता बड़े जोर-शोर से कह रहे थे कि एनडीए, जिसमें अन्नाद्रमुक भी शामिल है, तमिलनाडु में सरकार बनायेगा। पर, यह भी सच है कि अमित शाह ने अन्नाद्रमुक के एनडीए में शामिल होने के बाद यह जरूर कहा था कि अन्नाद्रमुक ने एनडीए में शामिल होते समय कोई शर्त नहीं रखी है।
- पर, वक्फ बोर्ड का संशोधित विधेयक संसद में पारित होने के बाद, शायद अन्नाद्रमुक ने यह कहा कि यदि अन्नाद्रमुक-भाजपा के साथ मिलजुल कर सरकार बनायेगी, तो उसे मुस्लिम वोटों का नुकसान होगा। अतः राजनीतिक मजबूरी के कारण, अन्नाद्रमुक को यह घोषणा करनी पड़ी कि उसका व भाजपा का साथ केवल चुनाव जीतने तक ही है, यह साथ सरकार बनाने के लिए नहीं है।

दरअसल, भाजपा के साथ हुये गठबंधन का अन्नाद्रमुक के अंदर जो विरोध हो रहा है, उससे पलानीस्वामी इस समय भारी तनाव में हैं।

अन्नाद्रमुक के नेता, अल्पसंख्यक समुदाय की प्रतिक्रिया के कारण भी परेशान हैं, क्योंकि भाजपा के साथ हुये गठबंधन के कारण अन्नाद्रमुक को अल्पसंख्यकों के वोट नहीं मिलेंगे।

बुधवार को जब विधानसभा में बोलने की अनुमति नहीं दिये जाने के विरोध में पलानीस्वामी ने वॉकआउट का नेतृत्व किया, उसके बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि यह गठबंधन तो केवल चुनावों के लिये है तथा अगले वर्ष होने वाले चुनावों में अगर गठबंधन की जीत होती है तो

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दादी के सामने पोते की गर्दन पकड़कर ले गई बाघिन

रणथंभौर में गणेश मंदिर मार्ग पर झाड़ियों में बैठी सुल्ताना बाघिन अचानक बाहर आई, बच्चे की गर्दन को मुँह में दबाया और झाड़ियां में ओझल हो गई

- दो घंटे के प्रयास के बाद वन अधिकारी बाघिन को हटा कर बच्चे का शव ले पाये।
- बूंदी के गाँव की रहने वाली दादी अपने पोता-पोती के साथ त्रिनेत्र गणेश जी के मंदिर में शादी का निमंत्रण देने आई थी।

रणथंभौर में त्रिनेत्र गणेश मंदिर मार्ग में बाघिन ने हमला कर सात साल के बच्चे को मार डाला। बाघिन के हमले से कुछ समय पहले ही चित्र में नज़र आ रहा बच्चा, कार्तिक सुमन बंदर के साथ फोटो खिंचवा रहा था।

सवाईमाधोपुर, 16 अप्रैल (निस)। रणथम्भौर स्थित त्रिनेत्र गणेश मंदिर रास्ते में बुधवार को झाड़ियों में छिपी बैठी बाघिन सुल्ताना 7 साल के बच्चे को उठा ले गई।

वनविभाग की टीम और अफसर जंगल की ओर दौड़े, साथ ही गणेश मंदिर मार्ग को भी श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया। इस दौरान झाड़ियों के बीच बाघिन काफी देर तक बच्चे के पैर पर पंजा रखकर बैठी रही। करीब दो घंटे बाद वन विभाग ने बाघिन को वहां से हटाकर बच्चे के शव को बरामद किया। मृतक बच्चे की पहचान कार्तिक सुमन (7) पुत्र द्वारका माली निवासी गोहटा थाना देई खेड़ा (बूंदी) के रूप में हुई है। प्रत्यक्षदर्शी राम सिंह ने बताया कि दोपहर 3 बजे श्रद्धालुओं की संख्या कम थी। वे मंदिर की तरफ से दर्शन कर पैदल

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जस्टिस गवई 14 मई को सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश बनेंगे

नयी दिल्ली, 16 अप्रैल। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने शीर्ष अदालत के दूसरे सबसे वरिष्ठ न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई को अपना उत्तराधिकारी नामित किया है। मुख्य न्यायाधीश खन्ना ने न्यायमूर्ति गवई को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में नियुक्त करने के लिए केन्द्र सरकार को पत्र लिखा है। यदि मंजूरी मिली तो न्यायमूर्ति गवई 14 मई, 2025 को मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ लेने के बाद अपनी सेवानिवृत्ति

- वर्तमान मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने उन्हें उत्तराधिकारी नामित किया।

23 नवंबर, 2025 तक इस पद पर बने रह सकते हैं। न्यायमूर्ति खन्ना का मुख्य न्यायाधीश पद का कार्यकाल 13 मई, 2025 तक है।

इसके बाद वे सेवानिवृत्ति हो जाएंगे। न्यायमूर्ति गवई को 24 मई, 2019 को शीर्ष अदालत के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। परंपरा के अनुसार, निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश अपनी सेवानिवृत्ति से एक महीने पहले सरकार को अपने उत्तराधिकारी के नाम की सिफाशि भेजते हैं।

प्रधानमंत्री द्वारा कटरा-श्रीनगर वंदे भारत का ''लांच'' स्थगित हुआ

सरकार की ओर से आयोजन को आगे खिस्काने का अधिकृत कारण मौसम की खराबी बताया जा रहा है

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 19 अप्रैल को प्रस्तावित कटरा-श्रीनगर वंदे भारत एक्सप्रेस का उद्घाटन स्थगित कर दिया गया है।

इस स्थगन के लिए आधिकारिक कारण खराब मौसम बताया गया है। भारतीय मौसम विभाग ने आगामी दिनों में जम्मू-कश्मीर में हल्की से मध्यम बारिश और बर्फबारी की संभावना जताते हुए यैलो और ऑरेंज अलर्ट जारी किए हैं।

हालाँकि, एक सवाल अब भी बना हुआ है: क्या यह स्थगन सुरक्षा कारणों से किया गया है?

अधिकारियों के अनुसार, हाल के दिनों में सुरक्षा बलों ने जम्मू के उधमपुर, कठुआ और पुंछ जिलों में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाए हैं और ''टारगैटेड स्ट्राइक्स'' रोकने के

- पर, यह आम चर्चा में है, कि स्थगित होने का असली कारण है, आतंकवादी गतिविधियों के कारण असुरक्षा का माहौल।
- जैसा, कि विदित ही है, सिक्युरिटी एजेंसियां ऊधमपुर, कथुआ व पुंछ जिलों में हाई -अलर्ट की स्थिति में हैं।
- सोमवार को ही सुरक्षा एजेंसियों ने भारी कॉर्डन ऑफ किया, सुरनकोट तहसील के लसाना गांव में आतंकवादियों के छुपे होने की खबर के बाद।

लिए हाई अलर्ट पर हैं।

स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, सोमवार को पुंछ जिले की सुरनकोट तहसील के लस्साना गांव में आतंकी गतिविधियों की खबर मिलने के बाद सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

प्रस्तावित यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री को चिनाब रेल पुल और अंजी खड्ड रेल पुल का दौरा करना था, जिसके लिए दो हेलीपैड तैयार किए गए थे।

प्रधानमंत्री को श्री माता वैष्णो देवी कटरा रेलवे स्टेशन से श्रीनगर के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस के एक विशेष कश्मीर संस्करण को हरी झंडी दिखानी थी। कटरा-श्रीनगर वंदे भारत ट्रेन में अनेक विशेषताएं होंगी, जैसे हीटिंग सिस्टम और ट्रेन इंजन की विंडस्क्रीन पर एंडी-फॉग सुविधा। इस नई ट्रेन का ट्रायल भारतीय रेल द्वारा 23 जनवरी को किया गया था।

अधिकारियों ने कहा कि उद्घाटन के लिए नई तारीखें अभी तय नहीं हुई हैं, लेकिन संभावना है कि यह अप्रैल के अंत तक किया जाएगा।

कश्मीर लाइन, जिसे उधमपुर-श्रीनगर-बारामुला रेल लाइन के नाम से जाना जाता है, 272 किलोमीटर लंबी है, जिसमें 119 किलोमीटर सुरंगें शामिल हैं।

इस परियोजना में विश्व का सबसे ऊँचा रेल पुल, चिनाब ब्रिज और भारत का पहला केबल-स्टेड रेल पुल, अंजी खड्ड ब्रिज शामिल हैं।

पहली बार ट्रेन में एटीएम लगा

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। ट्रेन में सफर करते वक्त अगर नकदी पास न हो तो हर कोई चिंतित हो जाता है। लेकिन, अब इस चिंता से रेलवे मुक्ति दिलाने जा रहा है। भारतीय रेलवे ने एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए मुंबई-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस को देश की पहली ऐसी ट्रेन बना दिया है, जिसमें एटीएम लगा हुआ है। ट्रेन के एसी कोच में लगे इस एटीएम से चलती ट्रेन में ही यात्री कैश निकाल सकते हैं। इस एटीएम

- यदि अच्छा रिस्पॉन्स मिला तो लम्बी दूरी की अन्य ट्रेनों में भी एटीएम लगाये जायेंगे।

को खास तरह से डिजाइन किया गया है, ताकि यह ट्रेन के पूरी रफ्तार में होने के बावजूद भी ठीक से काम कर सके। साथ ही इसे चोरों से बचाने के लिए भी खास इंतजाम किए गए हैं और इस पर चौबीस घंटे सीसीटीवी से निगरानी भी रखी जाएगी। रेलवे का कहना है कि अगर मुंबई-मनमाड पंचवटी एक्सप्रेस में लगे एटीएम को अच्छा रिस्पॉन्स मिलता है तो फिर लंबी दूरी की अन्य ट्रेनों में भी एटीएम लगाए जाएंगे।

यह नई सुविधा भुसावल रेलवे डिवीजन और बैंक ऑफ महाराष्ट्र की साझेदारी में शुरू की गई है और इसका ट्रायल रन भी सफलतापूर्वक पूरा हो चुका है।

एकल पट्टा प्रकरण में रिविज़न याचिका वापस लेने पर बहस पूरी हुई

जयपुर, 16 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट में बुधवार को पूर्व मंत्री शांति धारीवाल और अन्य अफसरों से जुड़े एकल पट्टा प्रकरण में राज्य सरकार की ओर से पूर्व में पेश रिवीजन याचिका को वापस लेने के प्रार्थना पत्र पर पक्षकारों

- अतिरिक्त महाधिवक्ता शिव मंगल शर्मा ने हाई कोर्ट में कहा कि मौजूदा राज्य सरकार आरोपियों के खिलाफ उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर केस आगे बढ़ाना चाहती है।

की बहस पूरी हो गई है। चीफ जस्टिस एमएम श्रीवास्तव ने प्रार्थना पत्र पर अपना फैसला बाद में देना तय किया है।

राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

चीन ने अमेरिका के ''हाई टैरिफ'' की बाधा लांघने के लिए नायाब तरीका ढूंढ निकाला

अति महंगे, लग्ज़री आइटम्स को बिना ''ब्रॉण्ड टैग'' के सोशल मीडिया में डायरेक्ट बेचने का सस्ता, सुन्दर टिकाऊ रास्ता पकड़ा चीन ने

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 16 अप्रैल। संयुक्त राज्य अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते व्यापारिक गतिरोध के बीच, सुपर लग्ज़री गुड्स मार्केट में एक नया मोर्चा चुपचाप खुल गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अमेरिकी फर्मों पर उत्पादन को वापस अमेरिका में लाने का दबाव बना रहे हैं और साथ ही चीनी आयात पर भारी शुल्क लगा रहे हैं। ऐसे में चीन के सप्लायरों ने पलटवार करने के लिए सोशल मीडिया को चुना है। ये लोग सार्वजनिक रुप से यह खुलासा कर रहे हैं कि कैसे वे दुनिया के कुछ सबसे प्रतिष्ठित ब्रांडों के लिए लग्ज़री गुड्स बनाते हैं और उन्हीं उत्पादों को अब सीधे उपभोक्ताओं को उनकी खुदरा कीमतों से बहुत ही कम कीमत में बेच रहे हैं।

- बरकिन, लुई विटाँ, शनैल, एस्टी लॉडर व बॉबी ब्राउन जैसे लग्ज़री ब्रॉण्ड के बैग अमेरिका में रिटेल में 29-30 लाख रूपये में बिकते हैं।
- पर, अधिकतर ये आइटम चीन में ही बनते हैं तथा इनकी कुल लागत 1.2 लाख रूपए ही आती है।
- चीन के व्यापारी अब ये आइटम, बिना ''ब्रॉण्ड टैग'' के 1.2 लाख रूपये में सीधे ग्राहक को बेच रहे हैं। ये व्यापारी ग्राहक को यह भी समझाते जा रहे हैं कि इन आइटम्स में लगे माल की कीमत क्या है तथा चीन के कारीगरों के हुनर की कीमत को भी जोड़ दिया जाये तो भी बनाने का खर्च बिक्री के दाम का दसवां हिस्सा ही होगा।
- बाकी सारा पैसा अमेरिका के व्यापारियों का मार्क-अप व विज्ञापन खर्च है।
- इस रणनीति से ग्राहक के मन में लग्ज़री आइटम की घनघोर मुनाफा गिरी तो सामने आयी ही, साथ ही चीन के कारीगरों के हुनर व मेहनत का जायका भी देखने को मिला ग्राहक को। इससे, चीन का माल घटिया होने की छवि भी अपने आप खत्म होने लगी है।

एक डिजिटल आक्रमण, जो गति पकड़ रहा है, में कई चीनी निर्माताओं ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर वीडियो पोस्ट किए हैं, जिनमें बताया गया है कि कैसे वो बिर्किन, लुई विटाँ, शनैल, एस्टी लॉडर और बॉब्बी ब्राउन जैसे अति प्रतिष्ठित लक्ज़री लेबल्स के लिए उच्च-स्तरीय उत्पाद तैयार करते हैं। ये वीडियो क्लिप न केवल उत्पादों में लगने वाले फाइन मटीरियल और कुशल कारीगरी को दर्शाते हैं, बल्कि इन ब्रांडों द्वारा उत्पादों में जोड़े गए भारी मुनाफे को भी उजागर करते हैं। इनमें से कई सप्लायरों ने कंपनी के ''लोगो'' के बिना सामान सीधे ग्राहकों को पेश करना शुरु कर दिया है, और इनके दाम आधिकारिक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)